

## मैत्रेयी महाविद्यालय ने मनाया वार्षिकोत्सव



नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से संबद्ध मैत्रेयी कॉलेज ने अपना 57 वां वार्षिकोत्सव 1 जून 2024 को मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप-प्रज्ज्वलन के साथ गणेश वंदना द्वारा तथा मैत्रेयी कॉलेज और डीयू के कुलगीत से किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम प्राचार्य प्रो. हरित्मा चोपड़ा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे कॉलेज की उपलब्धियां अकादमिक के साथ-साथ कौशल विकास, उद्यमिता, सांस्कृतिक, सामाजिक नवाचारों के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती हैं। जिसमें मैत्रेयी कुटुंब के प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी है। इस अवसर पर उन्होंने कॉलेज की विभिन्न शैक्षणिक उपलब्धियों का भी ब्यौरा प्रस्तुत किया। बाद में डीयू के डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणि ने कॉलेज की बहुआयामी प्रगति को सामूहिक प्रयास का अतुलनीय परिणाम बताया। इसी कड़ी में कॉलेज की गर्वनिंग बॉडी की अध्यक्ष प्रो. विजया लक्ष्मी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि संकाय सदस्यों और छात्राओं की सक्रिय भागीदारी ने परिसर में ज्ञान के विविध आयामों को नए परिप्रेक्ष्य में स्थापित किया है, जिसने छात्राओं के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।



## Maitreyi College Celebrates 57th Annual Day with Accolades and Achievements

New Delhi (Sanskar news) Maitreyi College, University of Delhi, celebrated its 57th Annual Day on June 1, 2024. The event commenced with the ceremonial lighting of the lamp and a rendition of Saraswati Vandana, followed by an inaugural performance. Distinguished Maitreyi Pioneers and special invitees were honored during the ceremony.

Principal Prof. Haritma Chopra presented key highlights from the 2023-24 annual report, which included the appointment of 89 Assistant Professors, attainment of A++ accreditation by NAAC, an exceptional student pass rate, the organization of 140 academic events, the creation of e-content for disabled students, first place in the DU Flower Show, advanced library services, 130 awards in inter-college and inter-university competitions, the opening of a center for SOL, the implementation of a QR-based entry system in Rhapsody, a cultural exchange program by the Student Union, and the establishment of a skill center. She extended her best wishes to alumni and retired faculty and reiterated Maitreyi College's commitment to inclusive education and fostering student self-reliance.

Prof. Balaram Pani, Dean of Colleges at the University of Delhi and Chief Guest of the event, congratulated the College on its collec-

tive achievements. He acknowledged the students' successes across various fields, attributing their performance to the excellence of DU professors. He underscored the importance of developing a creative and innovative knowledge system for peaceful progress and stated that happiness contributes to a fulfilling life.

Prof. Vijay Laxmi Singh, Chairperson of the Governing Body, congratulated the newly appointed faculty members and emphasized the significance of cultural and sports activities in shaping students' futures. She commended the Gardening Committee and the gardeners for maintaining a beautiful campus garden and highlighted the innovative learning methodologies of the short-term courses under the NEP offered by the College. Prof. Pradeep Rai, Librarian, presented the compiled faculty publications. The Maitreyi College Cricket Team, consisting of non-teaching and teaching employees, was felicitated for winning the Trophy at the 4th Dr. Savita Dutta Memorial Cricket Tournament. This was followed by the recognition of the College gardeners for securing 14 accolades at the 66th Annual Flower Show 2024, University of Delhi. Awards were distributed to meritorious students, and alumni were honored for their outstanding achievements in their respective fields.



# अकादमिक के साथ कौशल विकास, उद्यमिता, सांस्कृतिक, सामाजिक नवाचारों से मिल सकती हैं महाविद्यालय की उपलब्धियां

## मैत्रेयी महाविद्यालय ने मनाया 57वां वार्षिकोत्सव

नई दिल्ली (डीयू से संबद्ध मैत्रेयी महाविद्यालय में 57 वां वार्षिकोत्सव शनिवार को मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप-प्रज्वलन के साथ गणेश वंदना तथा मैत्रेयी महाविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलगीत से किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम प्राचार्य प्रो. हरितामा घोषड़ा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे महाविद्यालय की उपलब्धियां अकादमिक के साथ-साथ कौशल विकास, उद्यमिता, सांस्कृतिक, सामाजिक नवाचारों के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती हैं। जिसमें मैत्रेयी कुटुंब के प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी है। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक उपलब्धियों का भी ध्वारा प्रस्तुत किया। इसके बाद डीयू के डीन ऑफ कॉलेज प्रो. बलराम पाणि ने

महाविद्यालय की बहुआयामी प्रगति को सामूहिक प्रयास का अतुलनीय

स्थापित किया है, जिसने छात्राओं के भविष्य को आकार देने में



परिणाम बताया। इसी कड़ी में महाविद्यालय की गवर्निंग बॉडी की अध्यक्ष प्रो. विजया लक्ष्मी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि संकाय सदस्यों और छात्राओं की सक्रिय भागीदारी ने परिसर में ज्ञान के विविध आयामों को नए परिप्रेक्ष्य में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गौरतलब है कि इस वर्ष मैत्रेयी महाविद्यालय ने 89 स्टाई प्राध्यापकों की नियुक्ति की है। महाविद्यालय की 160 छात्राओं ने राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर छात्रवृत्तियां प्राप्त की हैं। संकाय सदस्यों ने पुस्तकों

और शोधपत्रों, पुस्तक अध्याय, पेपर प्रस्तुति के माध्यम से शोधकार्य को समृद्ध किया है। मानसिक स्वास्थ्य और अंतरराष्ट्रीयकरण के राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। महाविद्यालय में खेलों के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। यहां पर क्यूआर कोड के माध्यम से संपूर्ण परिसर की जानकारी आसानी से प्राप्त करने की सुविधा है। सभी संकाय सदस्यों के प्रकाशन को दो खंडों में प्रकाशित किया गया। इसके अलावा सभी संस्थागत एवं अकादमिक पुरस्कार प्रदान किए गए। महाविद्यालय के सौंदर्यीकरण के लिए कार्यरत उद्यान समिति के सभी सदस्यों और भूतपूर्व छात्राओं को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

## मैत्रेयी महाविद्यालय ने मनाया 57वां वार्षिकोत्सव

(आधुनिक राबस्थान) नई दिल्ली (कृष्ण चतुर्वेदी)। डीयू से संबद्ध मैत्रेयी महाविद्यालय ने अपना 57 वां वार्षिकोत्सव 1 जून 2024 को मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप-प्रज्वलन के साथ गणेश वंदना द्वारा तथा मैत्रेयी महाविद्यालय और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलगीत से किया गया। कार्यक्रम में सर्वप्रथम प्राचार्य प्रो. हरितामा घोषड़ा ने अपने उद्बोधन में कहा कि हमारे महाविद्यालय की उपलब्धियां अकादमिक के साथ-साथ कौशल विकास, उद्यमिता, सांस्कृतिक, सामाजिक नवाचारों के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती हैं। जिसमें मैत्रेयी कुटुंब के प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी है। इस अवसर पर उन्होंने महाविद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक उपलब्धियों का भी ध्वारा प्रस्तुत किया। तत्पश्चात डीयू के डीन ऑफ कॉलेज प्रो. बलराम पाणि ने महाविद्यालय की बहुआयामी प्रगति को सामूहिक प्रयास का अतुलनीय परिणाम बताया। इसी कड़ी में महाविद्यालय की गवर्निंग बॉडी की अध्यक्ष प्रो. विजया लक्ष्मी सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि संकाय सदस्यों और छात्राओं की सक्रिय भागीदारी ने परिसर में ज्ञान के विविध आयामों को नए परिप्रेक्ष्य में स्थापित किया है, जिसने छात्राओं के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। गौरतलब है कि इस वर्ष मैत्रेयी महाविद्यालय ने 89 स्टाई प्राध्यापकों की नियुक्ति की है। महाविद्यालय की 160 छात्राओं ने राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर छात्रवृत्तियां प्राप्त की हैं। संकाय सदस्यों ने पुस्तकों और शोधपत्रों, पुस्तक अध्याय, पेपर प्रस्तुति के माध्यम से शोधकार्य को समृद्ध किया है। मानसिक स्वास्थ्य और अंतरराष्ट्रीयकरण के राष्ट्रीय शिक्षा नीति के आधार को पूरा करने का लक्ष्य रखा है। महाविद्यालय में खेलों के क्षेत्र में भी उल्लेखनीय योगदान दिया है। यहां पर क्यूआर कोड के माध्यम से संपूर्ण परिसर की जानकारी आसानी से प्राप्त करने की सुविधा है। सभी संकाय सदस्यों के प्रकाशन को दो खंडों में प्रकाशित किया गया। इसके अतिरिक्त संस्थागत एवं अकादमिक पुरस्कार प्रदान किए गए। महाविद्यालय के सौंदर्यीकरण के लिए कार्यरत उद्यान समिति के सभी सदस्यों और भूतपूर्व छात्राओं को उनकी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। राष्ट्र गान के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।



संस्था/संस्था/संस्था

# मैत्रेयी कॉलेज ने मनाया 57वां वार्षिकोत्सव

■ नई दिल्ली (एसएनबी) ।

मैत्रेयी कॉलेज ने अपना 57वां वार्षिकोत्सव शनिवार को मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप-प्रज्ज्वलन व गणेश वंदना द्वारा मैत्रेयी कॉलेज और दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलगीत से किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य प्रो. हरित्मा चोपड़ा ने कहा कि हमारे कॉलेज की उपलब्धियां अकादमिक के साथ कौशल विकास, उद्यमिता, सांस्कृतिक, सामाजिक नवाचारों के माध्यम से ही प्राप्त की जा सकती हैं। इसमें मैत्रेयी कुटुंब के प्रत्येक सदस्य की सक्रिय भागीदारी है। इस अवसर पर उन्होंने कॉलेज की विभिन्न शैक्षणिक उपलब्धियों का भी ब्यौरा प्रस्तुत किया।

डीयू के डीन ऑफ कॉलेजेज प्रो. बलराम पाणि ने कॉलेज की बहुआयामी प्रगति को सामूहिक प्रयास का अतुलनीय परिणाम बताया। इसी कड़ी में कॉलेज की गवर्निंग बॉडी की अध्यक्ष प्रो. विजया लक्ष्मी सिंह ने कहा कि संकाय सदस्यों और छात्राओं की सक्रिय भागीदारी ने परिसर में ज्ञान के विविध आयामों को नए परिप्रेक्ष्य में स्थापित किया है, जिसने छात्राओं के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।